Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

कृतिका (गद्य खंड)

अध्याय-1 : इस जल प्रलय में (फणीश्वरनाथ रेणु)

भाग - 1

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

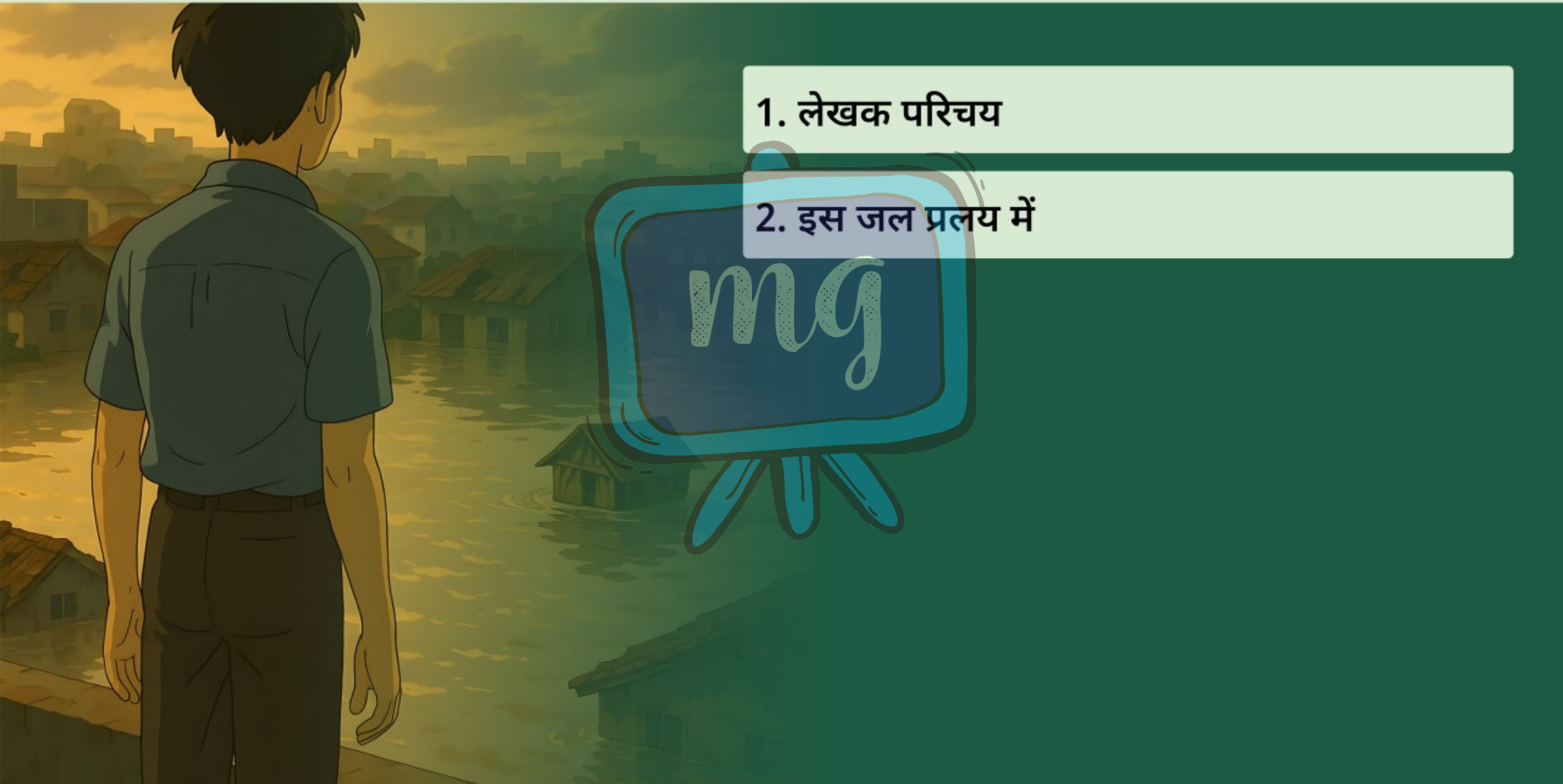

1. लेखक परिचय
2. इस जल प्रलय में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



फणीश्वरनाथ रेणु का परिचय

1

जन्म : सन् 1921

2

जन्म स्थान : जिला-पूर्णिया
(औराही हिंगना गाँव)

3

निधन : सन् 1977

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख कृतियाँ

आंचलिक उप-न्यास के जनक

- उपन्यास : मैला आँचल, परती परिकथा, कितने चौराहे
- कहानी-संग्रह : ठुमरी, आदिम राति की महक, अग्निखोर
- रिपोर्ताज : ऋणजल-धनजल, नेपाली क्रांति कथा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

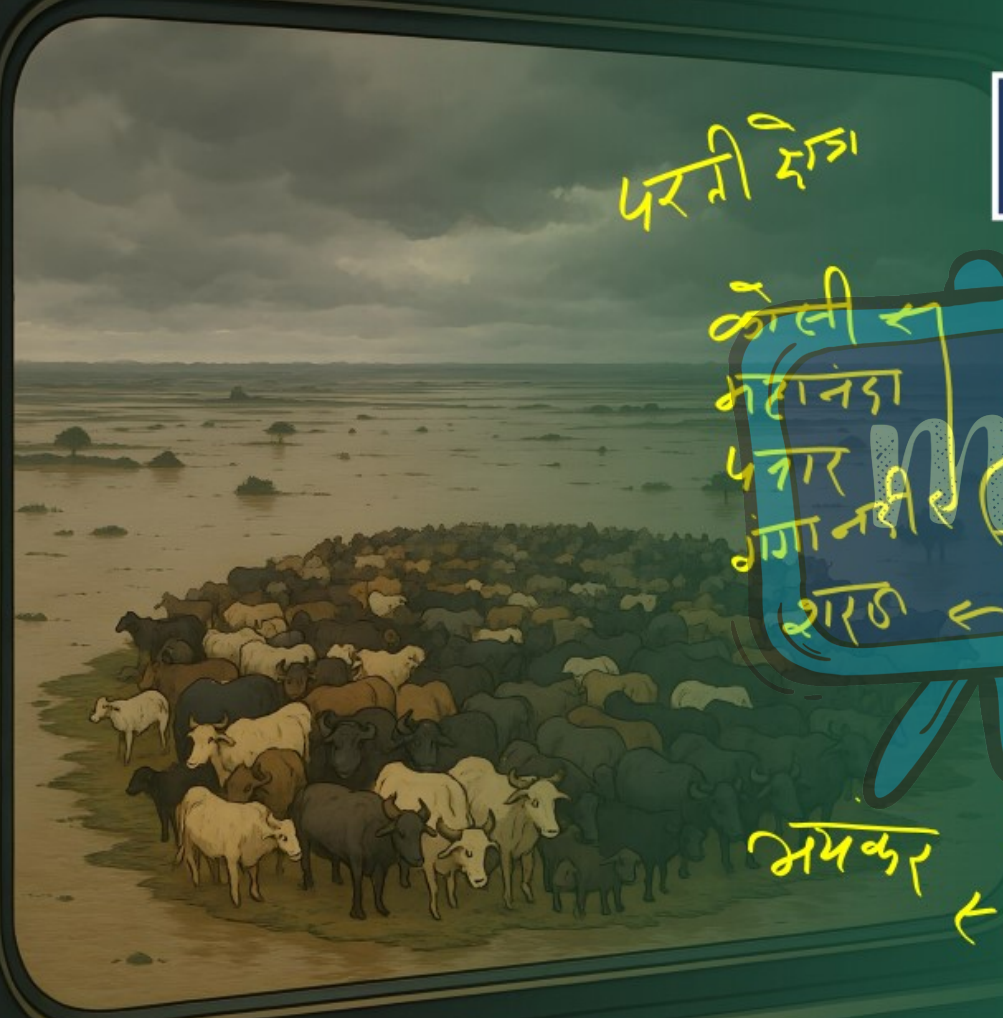

इस जल प्रलय में

मेरा गाँव ऐसे इलाके में है जहाँ हर साल पश्चिम, पूरब और दक्षिण की कोसी, पनार, महानंदा और गंगा की बाढ़ से पीड़ित प्राणियों के समूह आकर पनाह लेते हैं, सावन-भादो में ट्रेन की खिड़कियों से विशाल और सपाट परती पर गाय, बैल, भैंस, बकरों के हजारों झुंड-मुंड देखकर ही लोग बाढ़ की विभीषिका का अंदाजा लगाते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



परती क्षेत्र में जन्म लेने के कारण अपने गाँव के अधिकांश लोगों की तरह मैं भी तैरना नहीं जानता। किंतु दस वर्ष की उम्र से पिछले साल तक ब्वॉय स्काउट, स्वयंसेवक, राजनीतिक कार्यकर्ता अथवा रिलीफ़वर्कर की हैसियत से बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में काम करता रहा हूँ और लिखने की बात? हाईस्कूल में बाढ़ पर लेख लिखकर प्रथम पुरस्कार पाने से लेकर धर्मयुग में 'कथा-दशक' के अंतर्गत बाढ़ की पुरानी कहानी को नए पाठ के साथ प्रस्तुत कर चुका हूँ।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



जय गंगा (1947), डायन कोसी (1948), हड्डियों का पुल (1948) आदि छुटपुट रिपोर्ताज के अलावा मेरे कई उपन्यासों में बाढ़ की विनाश-लीलाओं के अनेक चित्र अंकित हुए हैं। किंतु, गाँव में रहते हुए बाढ़ से घिरने, बहने, फँसने और भोगने का अनुभव कभी नहीं हुआ। वह तो पटना शहर में सन् 1967 में ही हुआ, जब अट्ठारह घंटे की अविराम वृष्टि के कारण पुनपुन का पानी राजेंद्रनगर, कंकड़बाग तथा अन्य निचले हिस्सों में घुस आया था।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



अर्थात् बाढ़ को मैंने भोगा है, शहरी आदमी की हैसियत से। इसीलिए इस बार जब बाढ़ का पानी प्रवेश करने लगा, पटना का पश्चिमी इलाका छातीभर पानी में डूब गया तो हम घर में ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी और कांपोज की गोलियाँ जमाकर बैठ गए और प्रतीक्षा करने लगे। सुबह सुना, राजभवन और मुख्यमंत्री निवास प्लावित हो गया है।

प्लावित – जिस पर बाढ़ का पानी चढ़ आया हो, जो जल में डूब गया हो

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 लेखक का गाँव किस प्रकार के क्षेत्र में स्थित है?

अ रेगिस्तानी क्षेत्र में ✗

ब बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में

स ~~पहाड़ी~~ क्षेत्र में / परती क्षेत्र

द जंगलों से घिरे क्षेत्र में ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 लेखक को पहली बार बाढ़ का अनुभव कब हुआ?

अ 1947 में

ब 1958 में

स 1967 में

द 1975 में

-) परवा मैं - पुनपुन

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बिहार की राजधानी पटना

3 1967 में बाढ़ का मुख्य कारण क्या था?

अ गंगा का जलस्तर बढ़ना

ब पुनपुन नदी का पानी शहर में घुस जाना

स बाँध का टूट जाना

द तेज़ तूफान

18 जून की लगातार वर्षा

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



4 लेखक ने बाढ़ के समय घर में क्या-क्या जमा किया?

अ गेहूँ, चावल, दूध

ब कपड़े, रेडियो, बैटरी

स ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पानी, गोलियाँ

द किताबें, दवाइयाँ, टार्च

पीने का पानी
कांपोजनी

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



5 | लेखक ने बाढ़ से संबंधित कौन-कौन से रिपोर्ताज लिखे?

अ कथा सरिता, नया पताका

ब जय गंगा, डायन कोसी, हड्डियों का पुल

स कोसी कथा, बिहार बाढ़

द बाढ़ का कहर, जलप्रलय